

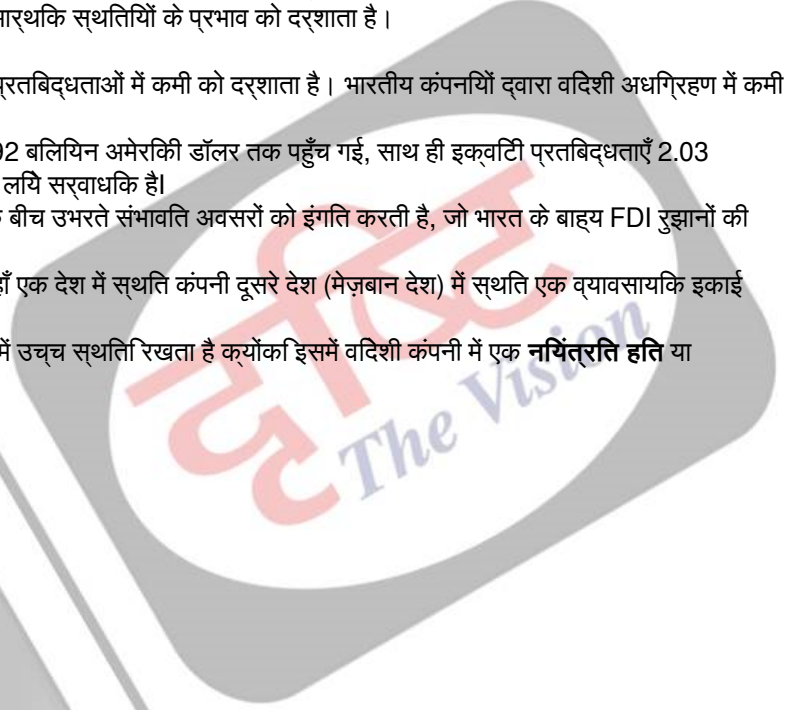


## भारत की आउटवार्ड FDI प्रवृत्तियाँ

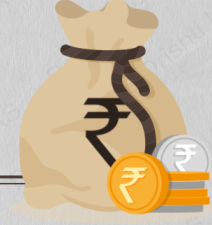
[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

मार्च 2024 में समाप्त वित्तीय वर्ष में भारत के बाह्य [प्रत्यक्ष वदेशी नविश \(OFDI\)](#) में 39% की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई साथ ही यह 28.64 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गया, जो अनश्चित वैश्विक आर्थिक स्थितियों के प्रभाव को दर्शाता है।

- गिरावट का मुख्य कारण **इक्विटी तथा लोन** दोनों माध्यमों में प्रतबिद्धताओं में कमी को दर्शाता है। भारतीय कंपनियों द्वारा वदेशी अधिग्रहण में कमी ने भी इस गिरावट में भूमिका निभाई है।
- हालाँकि, मार्च 2024 में **बाह्य FDI** में वृद्धि देखी गई, जो 3.92 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गई, साथ ही इक्विटी प्रतबिद्धताएँ 2.03 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गई, जो क्विंतीय वर्ष के लिये सर्वाधिक है।
  - यह स्थिति चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच उभरते संभावित अवसरों को इंगित करती है, जो भारत के बाह्य FDI रुझानों की गतिशील प्रकृति का सूचक है।
- **आउटवार्ड प्रत्यक्ष नविश** एक व्यावसायिक रणनीति है जहाँ एक देश में स्थिति कंपनी दूसरे देश (मेज़बान देश) में स्थिति एक व्यावसायिक इकाई (वदेशी सहयोगी) में नविश करती है।
  - यह नविश केवल स्टॉक या बॉण्ड खरीदने की तुलना में उच्च स्थिति रखता है क्योंकि इसमें वदेशी कंपनी में एक **नियंत्रित हित** या महत्वपूर्ण प्रभाव **स्थापित करना शामिल है**।



# FDI और FPI



## प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

- **FDI:**
  - किसी दूसरे देश में स्थित व्यवसायों और संपत्तियों में विदेशी संस्थाओं/व्यक्तियों द्वारा किया गया निवेश
- **FDI के अंतर्वाह हेतु मार्ग :**
  - स्वचालित मार्ग:
    - ◆ किसी पूर्व सरकारी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है
    - ◆ गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 100% तक की अनुमति
  - सरकारी मार्ग:
    - ◆ कुछ क्षेत्रों में या विशिष्ट सीमा से ऊपर के निवेश के लिये आवश्यक
    - ◆ उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ( DPIIT ) और RBI द्वारा प्रशासित
- **स्वचालित और सरकारी रूट के माध्यम से स्वीकृति के उदाहरण:**
  - बैंकिंग ( निजी क्षेत्र ): 49% तक (स्वायत्त) + 49% से ऊपर और 74% तक ( सरकारी )
  - रक्षा: 74% तक (स्वायत्त) + 74% से अधिक (सरकारी)
  - हेल्थकेयर ( ब्राउनफील्ड ): 74% तक (स्वायत्त) + 74% से ऊपर (सरकारी)
  - दूरसंचार सेवाएँ: 49% तक (स्वायत्त) + 49% से अधिक (सरकारी)
- **विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड ( FIPB ):**
  - वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आता है
  - FDI प्रस्तावों को संसाधित करने के लिये जिम्मेदार - विदेशी निवेश सुविधा पोर्टल ( FIPP ) द्वारा सुविधा प्रदान की गई
  - सरकार की मंजूरी के लिये सिफारिशें करना

भारत ( चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान ) के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से FDI के लिये सरकार की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है।

- **भारत के शीर्ष 5 FDI स्रोत ( वित्त वर्ष 2022-23 ):**

- मॉरीशस
- सिंगापुर
- अमेरिका
- नीदरलैंड
- जापान

- **FDI आकर्षित करने वाले भारत के शीर्ष क्षेत्र ( वित्त वर्ष 2022-23 ):**

- सेवा क्षेत्र
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर
- व्यापार
- दूरसंचार
- ऑटोमोबाइल उद्योग



## विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI)

- **FPI:**
  - वित्तीय संपत्तियों में विदेशी व्यक्तियों, संस्थानों या निधियों द्वारा किये गए निवेश
  - फ्लॉई बाय नाइट या हॉट मनी के नाम से जाना जाता है
- **महत्वपूर्ण विशेषताएँ:**
  - स्वामित्व प्राप्त किये बिना वित्तीय संपत्तियों की खरीद होती है
  - निष्क्रिय निवेश वृष्टिकोण
  - निवेशक लाभांश, ब्याज और पूंजी वृद्धि के माध्यम से रिटर्न अर्जित करते हैं
- **उदाहरण:**
  - स्टॉक, बॉण्ड आदि।
- **नियामक संस्था:**
  - भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ( SEBI )

### FDI और FPI के बीच अंतर

| विशेषताएँ              | FDI   | FPI  |
|------------------------|---|--|
| निवेश की प्रकृति       | दीर्घकालिक  | अल्पकालिक  |
| उद्देश्य               | दूसरे देश में दीर्घकालिक निवेश                      | निवेश पर त्वरित रिटर्न अर्जित करना                               |
| नियंत्रण               | महत्वपूर्ण ( निवेशित इकाई पर )                      | नहीं या सीमित नियंत्रण   |
| निवेश                  | मूल संपत्ति ( जैसे, कारखाने, भवन )                  | वित्तीय संपत्ति ( जैसे, स्टॉक, बॉण्ड )                           |
| रिटर्न                 | लाभ, लाभांश और पूंजी अभिमूल्यन                      | लाभांश, ब्याज, और पूंजी अभिमूल्यन                                |
| नीति विनियम            | सरकार की नीतियाँ और क्षेत्र-विशिष्ट नियम            | लचीले नियम और आसान प्रवेश/निकास                                  |
| अर्थव्यवस्था पर प्रभाव | रोजगार सृजन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और आर्थिक विकास | अल्पकालिक तरलता प्रदान करता है और शेयर बाजार को प्रभावित करता है |



और पढ़ें: [भारत के आउटवार्ड और इनवार्ड नविश रुझान](https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-outward-fdi-trends)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-outward-fdi-trends>